Prepp
Your Personal Exams Guide

PAPER – II

पत्र – II

HO LANGUAGE AND LITERATURE

हो भाषा और साहित्य

Full Marks : 150
पूर्णांक : 150

Time : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

प्रश्न-पत्र दो भाग में विभक्त है । भाग 'अ' (A) में कुल 04 प्रश्न (प्रश्न संख्या 1 से 4) एवं भाग 'ब' (B) में कुल 04 प्रश्न (प्रश्न संख्या 05 से 08) है ।

प्रश्न संख्या 01 एवं प्रश्न संख्या 05 सभी परीक्षार्थियों के लिए अनिवार्य है ।

परीक्षार्थियों को कुल 06 प्रश्नों का उत्तर लिखना है, जिसमें दोनों भाग 'अ' (A) एवं 'ब' (B) से अनिवार्य प्रश्न संख्या के अतिरिक्त 01 (एक प्रश्न) का उत्तर देना अनिवार्य होगा ।

*अनिवार्य प्रश्न संख्या 01 एवं 05 में **सात** प्रश्नों में से **पाँच** प्रश्नों का उत्तर देना होगा जिसका प्रति प्रश्न 07 अंक निर्धारित है ।*

प्रश्न संख्या-01 एवं 05 के अतिरिक्त शेष प्रश्नों का 20 अंक प्रति प्रश्न है ।

निर्देश :

कुनुलि बर बहगा रे मेन: । खण्ड-A रे 04 (01 से 04) ओन्डो: खण्ड-B रे 4 (5 से 8) ।

कुनुलि 01 ओन्डो: 05 दो अनिवार्य मेन: ।

बरिया खण्ड मिसा केएते तुरूइया (06) कुनुलि रेय: हनल ओले तेय: । खण्ड-A ओन्डो: खण्ड-B रेय: अनिवार्य कुनुलि लो: ओन्डो: मिडो कुनुलि ओले अनिवार्य मेन: ।

हनल दो अपना भाषा 'हो' रेगे ओलेतेय :।

Marks
गुण

खण्ड – A

1. जान मोड़े कुनुलि रेय: हनल ओलेबेन – **(5×7=35)**

   क) हो भाषा रेय: चिलिकन ममरं मेन: ?

   ख) वारङ क्षिति लिपि रेय: ब्रोङ हितड लो: लिपि रे विभेषता ओलेम ।

   ग) काड़ रेय: परिभाषा चिलिका मेन: ? हो व्याकरण लेकाते चिमिन काड़ मेन: ? उदाहरण लो ओलेबेन ।

   घ) कोल्हान ओन्डो: पोड़ाहात रे हो भाषा रे चिलिकन परका को बेन नेले ?

Prepp Your Personal Exams Guide

Marks
गुण

ङ) हो भाषा विकास रे रोमन ओन्डो: देवनगरी लिपि देंगा चिलिका मेन: ?

च) वेदाओ (कारक) चेन: ? हो रेय: वेदाओ का उदाहरण लो: ओल मर सलेबेन ।

छ) अपना भाषा विकास लगिड् अबेना मोने-बिचर ओल मरसलेबेन ।

2. बरिया कुनुलि रेय: हनल ओलेबेन - (2×10=20)

क) हो लोकगीत रेय: विभेषता ओलेबेन ।

ख) लोक साहित्य ओन्डो: भिष्ट साहित्य रे चिलिकन परका ?

कारे/अथवा

ग) किलि को चिलिका ते हाटिंथना ? मियड् टुटका ते लेख ओलेबेन ।

घ) नेना को रेय: ओरतो ओलेबेन ।

i) कोवालु चेतन लंडा-लुन्डु 1

ii) नेन्देर पिह रे ससं लिजा: रो'अकना 1

iii) लिज: ते द: गोचाए 1

iv) बुड़ि एरा को गति 1

v) वुलुङ बेपर ते सेनो: 1

vi) बुटि रे सुनुमाकन्ते गिति: 1

vii) पपारि पोदोला जोम 1

viii) गंगाइ का:' बइन 1

ix) लाइ: बबाता 2

3. बरिया कुनुलि रेय: हनल ओलेम - (2×10=20)

क) हो साहित्य रेय: विकास चिलिका होबा लेना ? मियड् समीत्रा ओलेबेन

ख) नेना रेय: गेअन-बेअन ओलेबेन

"ओव:एतेको ओ:लेयनरे हतु कुटि बेटाके रे दो हतु कुटि रेय: जान दरू रे यो उलि, हेस: चि बरू दरू रेयो गोडी तन कुई होन सकि नुतुमे: तोलेया । एना दो कडसोम रे पुन्डि सुतम गे । ओन्डो: एना का मंडि द:ऽ कनो:वा । एतोम वियुर केने: एते अई दुना पटु बियुरेया । एना गे सकि सुतमको मेत: ।"

कारे/अथवा

ग) लोक कथा रेय: परिभाषा ओलेबेन । हो कानी को चिभिन बहगा रे बेन हटिंङ दइया: ।

Prepp
Your Personal Exams Guide

Marks
गुण

घ) नेना रेय: गेअन-बेअन ओलेबेन ।

"ओकोन कोरे गाको लड़ईतना
केड़ा दिरिं सकोवा दो रूडु-रूडु
चिमए कोरे गाको कोड़ाई तना
डुडरू दमा बदि डुबु-डुबु ।"

4. बरिया कुनुलि रेय: हनल ओलेबेन - (2×10=20)

क) नेना रेय: गेअन-बेअन ओलेबेन
अञ सनङ टइकेना गतिङ
सिङ वोंगा त:एते अमेञ असि
अम त:एते अमगेञ असिम
अञ् रांसा टइकेना जुडिञ ।

ख) रूयाबु आदिवासी दमा
उटायाबु जाति ताबु
जपिड-दुङमेते जपिड दुङमेते ।

कारे/अथवा

ग) हो साहित्य विकास रे पत्र पत्रिका को रेय: चिलिकन देंगा मेन: ?

घ) कानुराम देवगम तिकिञा: जीवनी ओलेबेन ।

खण्ड - B

5. जान मोड़े कुनुलि रेय: हनल ओलेबेन - (5×7=35)

क) प्रो. बलराम पाठ पिंगुवा तिकिञा साहित्यिक देंगा चिलिका मेन: ?

ख) हो साहित्य रे नाटक रेय: विकास चिलिका मेन: ?

ग) कमल लोचन कोड़ा तिकिञ ओल तड् पुति को रेय: मियड् सक्षीमा ओलेबेन ।

घ) हिर्ला लको बोदरा तिकिञा हो साहित्य रे चिलिकन देंगा को मेन:ऽ ।

ङ) भंकर गगराई तिकिञा कवोय को रे चिलिकन षार जगर को नेल नमो: ?

च) धनुर सिंह पुरती तिकिञ ओल तड् पुति 'हो दिषुम हो होनको' हितड् आइया रेय: मियड समीक्षा ओलेबेन ।

छ) उड़िया साहित्य रे हो साहित्य चिलिकन प्रभाव मेन: ?

Prepp
Your Personal Exams Guide

Marks
गुण

6. बरिया रे हनल ओलेबेन – (2×10=20)

क) हो दोस्तुर लेकाते अणाँदि-कोणाँदि चिमिन रोकोम ते मेन: ? सबि कोयते निरल सोयता अणाँदि दो ओकोना ?

ख) हो जाति कोव: सामाजिक तोनोल चिलिका मेन:ऽ ? मियड् षारानगे निबंध ओलेम् ।

कारे/अथवा

ग) सेरेङसिया घाटी रे चिलिकन ऐतिहासिक घटना होबा लेना ? मियड् निबंध ओलेबेन ।

घ) ''कोयों अदेर, हेबे अदेर ओन्डो: केया अदेर'' रेय: ओरतो बंगाओयबेन ।

7. हो भाषा रे अनुवाद उरायम् 20

मनुष्य का मन सदैव गतिभीलता रहता है । ऐसा होता है कि विरोधी भलियाँ उसे अपनी ओर खींचती है । जो मनुष्य मन की विपरीत परिस्थितियों में अपने को मजबुती से खड़ा नहीं कर सकते और वह उस धारा में बह जाते है । वे कभी उद्देश्य को पूरा नहीं कर पाते । उनके लिए तो यह कहना चाहिए कि वह मुर्दों के समान है । जो व्यक्ति समय और परिस्थिति को समझ लेते हैं वह कभी धोखा नहीं खा सकता । वह कठिनाइयों के बीच रास्ता निकाल ही लेता है ।

8. टुटका ते ओल उराएम् 20

तरा मरा दो किमिन एराकोगे ककी टिकिया । बुड़ि तन हनरते एसुई चेम्टाइया । किमिन एरा को बोलोयने ते दो. ओअ: दुवर चि मडि चटु दो अय: ति रेगे टइना । किमिन एरा एसुई चेटेर नो: रे दो हनरते ओन्डो: होञर तेथो एसुई चेन्टा किञ: । सेत: रे अ:ए मंडि को जोम ओल्ल केएते पि पइटि कोते सेनो: । कजिवो क:ए कजिया तु किञ: । बन रे दो मडि उतु को सबि वुर: चबाके एते पि पाए इडकेया ओन्डो: गोटा सिंगि पि रे गे टइना ।